

ਸਾਨੰਤ

੨੧੭

੧੨੬੨ ੧੩੨੨

ਗੁਰਮਤਿ ਨਾਨਕ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮਤਿ ਜੀ ॥

जाजासदल जाजासिद्धिदय सदल डाम दया डाम	जाजायाजा सकलानरुय जाजाया॥	जाजासक लानरुय यमय धरुय	जाजासक लानरुय यमय धरुय	सुग्रामसुजय रुयिडा॥	जाय डाथव रुयिडा॥
जाजायाजा सिद्धिरुयडा	बीथि जाजायाजा याथासडा नरुयात्राय	जाजायाजा स. सिद्धि जा रुय. विरुन सिध॥	सुग्रामसुजय रुयिडा॥ धरुय॥	पुत्रपि सुग्रामसुजय रुयिडा॥ धरुय॥	सुग्रामसुध डातडासुयव मवुयातडासुमि मित्रयरुयमाति
जाजायाजा नसिद्धि मरु रुय कल व रुय	जाजायाजा जान. सपु याद सिद्धि रुयिडा॥	जाजायाजा जान. मत्रन याजा रुयिडा जामभा मति म॥	मित्रयरुय डामयु. धरुय डासु. रुयिडा रुय म॥	सुग्रामसुजय रुयिडा. धरुय नसु. नन्द रुयिडा॥	विहाडायथा रुय क. मरु रुय म. युडा ध. सग का रुयिडा

धरुय ननानडा दसत्रि डाया रु रुयिडा॥	सुग्रामडाद मित्रहाडाय सकल. यात्र रुय रुव॥	धरुयसुग्रामवि लेकन ग्राम डानि ननानडा डा नदयाडा	धरुयसुग्रामवि लेकन ग्राम डानि ननानडा डा नदयाडा	दहाडाडपड नरुडान. तडा धरुयदया डा॥	दहाडाडपड नरुडान. तडा धरुयदया डा॥
सुग्रामनविल फन. धडादडा डा नदया डा॥	धरुयसु सुग्रामडाद कसत्ररुडा मरु डा स्रय॥	धरुयसुग्रामन धडादडा डानिडा॥	दहाडाडपड नरुडान. तडा धरुयदया डा॥	सफसि दहाडाडपड सखतरुडान डा॥	दहाडाडपड नरुडान. तडा धरुयदया डा॥
सुग्रामनवि रुडान. सुग्राम रुयाव मन मयु रुय रुयिडा॥	धरुयसुग्रामसु सत्रकिभि नरुदयुडा	ननानदडा धरुयडा नद दहाडायव. ध वानडान म॥ रुयिडा॥	रुयदयाव मयु. क रुय लुय. दयाव रुय मयु॥	दहाडाडपड नरुडान. तडा यदयु. धनरु यव. दहाडा रुयमासु	कल्यानरु रुय रुयिडा॥ दयाव मयु॥

पूतान वि लिहा विहाडा डायोव योडा	विहाभाडाह कननानडा योडा॥	विहाभावा हकननान डायु डायुव	विहाभावा हकननान डायु डायुव	विहाभावा हकननान डायु डायुव	विहाभावा हकननान डायु डायुव
विहाभाडाह क.लस.थन हाला॥	जुधमि विहाभाडा हकननान डायुनामडायु ना खय॥	विहाभावा हक.ताकाल नलिहाडायो डा॥	विहाभावा हक.विलक नडायाडा॥	नडामि विहाभास लविमत्रमद यकवदक लिहाडायुव	विहाभावा हक.पून सागा॥
दविनवि लिहाडा डायुव मव.श्री मिह.त्रो	विहाभावा हक.तादना डाह.लिहा डायोन॥	विहाभावा लि.हकननान हडायु नडायु डामव	विहाभावा हक.द.दवि चिन डायुव	विहाभा वाहक.म दना॥	लिहाडा डायु यमव डामव
आकायाक काका डायुडा याकाया लाहातिन डाया॥	आकायाक कासिधयक डालो॥	आकायाक विलक याक नेडा योयन यु कयाथान	आकायाक मव डायोन नथान स्वाक ताकालन ना हनिथतिव	आकायाक मदहा॥	आकायाक वधका वि यम कन निडा॥
आकायाक वचिआसिध यकाडायाक थिडायुव॥	दहामि आकायाकन कासिधयका डायुनाखय	आकायाक लाससिता	आकायाक मवडायु मवडायु	आकायाक मवडायु मवडायु	आकायाक मवडायु मवडायु
आमसिधय काव.जि का कनथि सिध डायु यकम रु॥	आकायाक विलकनडा युव॥	आसिधय काव कावडा नगुना युव	आकायाक मवडायु मवडायु	आकायाक मवडायु मवडायु	आकायाक मवडायु मवडायु

विदभाभा नना शीदक पिदा पिदाम डाय धि भीकीरमना	विदभाभा दक पिदा डाला	विदभाभा तागिन (थक नामक डान निडाय मख नि	हिनक वा पुन दाडीया नैमस न डाना	प्रदभाभा दक (थकना संशानतुनि	पुनन म लंडाने कडाने लंडानम पू
विदभाभा दक पिदा वयाडान	दद सि विदभाभा क पिदा नामड नाखर	विदभाभा दक गनम डाद ना थन डायी डाला	प्रदभाभा दक (थकना तावताडा ना	जयाद सि विदभाभा क डाय ना (थकना नाखर	गनेमडा लिदा डाला
पिदाडा पिदा डाय धि क वा ना विलमन (थनि	पिदाडा सखन वा न	डाय वम थन नि मडा ना जूनन म लंडाना	(थकना सखन वा न निडा	लिदाडा सखन वा न डाल सन	जूनन थन नि डाय व मडा ना मलंडान
थनागि यूडा रत ताडा नागि यूडा मष	थतडा नाया डाम पूना	थनागि नाया नितम पू नाया शयाना	मतिदखद नालि नमालि ससना मदयाडा	नूग वम दक या नूग त्रिनिडा	तिदखद डाने शय व दने मालि डाला
थनागि काल सो डामष कया वश्य डाला	रतुद रुचि नतडा क नागि ना सियू नाखर	थनागि यीडा खर तासवायम त	सुखद दयोडा कायमा ल	पूमा नूग वम या कदा व सुखद	नूग वम दने मतिद खद नमालि डाला
ताडा नाया मष डामष	थनागि थक कदा तासवायम कय नतु य डाला	थनागि तासवायम नागि मड	कशया मष नमा लेडा	नूग वम या कदा नदया	तिदखद दयोडा तया डाला

रति

रति

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ अदिष्टादिष्टास्तु निवासिनः
। समाधिस्तु नाकारां कथित्यावधुतास्तु ॥ पञ्चनां पादपूजनां, अष्टपूजाय
विहितं । तं न सत्यं न भवति, सत्यं न सत्यं ॥ अमृतं न सत्यं न सत्यं ॥ अमृतं न सत्यं न सत्यं ॥
महासागरं न सत्यं न सत्यं, सत्यं न सत्यं न सत्यं, सत्यं न सत्यं न सत्यं, सत्यं न सत्यं न सत्यं
॥ अमृतं न सत्यं न सत्यं ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ अमृतं न सत्यं न सत्यं ॥ अमृतं न सत्यं न सत्यं ॥
वृद्धाय ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥
वृद्धाय ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

खाक
सन्नि

सिद्धा

सर्व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मन्त्रोवाच

मन्त्र सर्वथा नृनां धारय दूँ दूँ रुद्र स्वाहा ॥ ॐ चन्द्रमहाप्रायश्चित्त धारय दूँ दूँ रुद्र
स्वाहा ॥ धर्मकृपादप धर्ममाला नृनां शिव ॥ ॐ क ॥ ॐ नृनां स्वाहा ॥ ॐ कालि
वज्रमाला नय दूँ रुद्र स्वाहा ॥ धर्म ॥ का क दू धा स प द ध रय मू माल ॥ ॥
ॐ काला द सु स ल स्वाहा ॥ धर्म ॥ विरु ति ज पा डा भवन दृ ४ स्व वि या
घात्र स क्का य जायूव ॥ ॐ ॥ ॐ नृनां स्वाहा ॥ ॐ गौं दिं गौं रुद्र स्वाहा ॥ धर्म
लंका खान या न लिका या व मी सा द दा क था या म्मात्र पाल न शत्रु स न का
य म्मात्र न शत्रु स न हा ला डा ना थ मी सा पि क्का य ॥ ॐ काल वि का

मन्त्रादि

५७५

२४

लना नै विना र्णं पलन न्ना मा लं हं दूं रु द्स्वा हा ॥ धन ३ ॥ सरव जय लयाः
वगान कं भवन डी सखल मरु यसन कज सां म (गत्र ॥ मि स्या ॥ यत्रू ओ हा
उं दूं कू कजन रु द्स्वा हा ॥ धन ३ ॥ थव, विज, द्रु सपत या निडान या ४
मिति, स्वावि, द्रु पूज, ऊवपा ८ या मिति, दू स्य वून, थ नैन थ वरखाः
त्रवाय, गत्र या न (थन क वूय, थुय त्रि काल सि, ग्वन संभव, वजि स
तव, धनि, दू सै तै व, न कं, थ द्रु मी सान थ व र्वा ल गु स्व स्य रु य
व, व स्या य रु गो ॥ ॥ उवा य र्वत गि त्रि क वि गो, ता हा र्वे थ

५७५

सुभा ३१ भा

नरागा, ऊँसात्रायि शुभाकी, रौति शुके ते सातवाला शुके ॥ धात्र न ॥
सिमिन ८ न ते यावपूर, कृ सिन कृ कया ॥ ॥ शुभू आरू ॥ ५ सिंघा
ताभा आय जा ॥ धात्र ३ ॥ स्वयवान हा कया, वं कन ऊ पाव वूर ॥ ॥
तखावा सि, मि क सि, थ नितान यात याव, क्रासू कान वं य, हा क रवा
या, न क कृ डा गु त्रि शं ऊ का याव, त हा खान पिय, त हा खान हा व दाव
का याव, मी साता क्रा वा द था स, ॥ त स त य, ॥ त स क र्त्त ल्या य व श
ला, खान ऊ क ॥ ॥ जू ग वाल कृ कृ, ति नि स ग त या र वं ऊ का या डा

सुभा ३१ भा

त हा खान पिय, थ त हा खान कृ व सु क र्त्त न य, ति नि नू य व श त्रा ॥ ७
शुभू आरू ॥ ५ भात्र हं ३ ५ शुभू कि आ द स, सि धू सा ऊ य, ति मु का ऊ य
क्रा नू क्रा ड वी, ह त्र सि द्वि व ऊ आ गि नि का वा वा ॥ धात्र ३ ॥ पूर्व ख क य
स त्र स, सि ध त्र वा दा डा ह य, ग नू उ आ स न का या व, थ म कृ य त्र पा
व, दू त्रा स सि ध त्र न या व, म कृ या दा व सि ध त्र न तिय, सि द्वि व स ॥ ५
५ व का ड धात्र नि ला गि, ज्ञान जा गि, वि ष सि द्वि, ति न आरू ॥ थ म कृ म
वा वूर य म दू या, ल ख ऊ पा डा ना न क, य का ड धात्र ॥ **मवा ३** ॥ ५ व क र्त्त

सुभा ३१ भा

१ सगिन तागिन, रुत पुर्ल पिष्ठाच, देहा दानव ॐ ध्वत्र वाचा ॥ थम
 कुन, लख स विरुगितयाव, ऊपत्रयंता नक, अरिवालय ॥ ७१ ॥
 ॐ वायू भूत्र पिरु भूत्र, वात भूत्र पिरु वायू भूत्र, वायू पिरु भूत्र, वक
 पिरु भूत्र, मरु भूत्र दूंदू रुदू स्वाहा ॥ धन ३ ॥ विरुति नव्याडा, भूत्र
 नवथा स पूया ॥ भूत्र नाभा ॥ X ॥ ॐ भूत्र मा विरी स्वाहा ॥ चिकी ऊपत्रयं
 लख सनयाडा, गानक वाहाय मरुया ॥ ॐ दूतय दूंदू रुदू स्वाहा
 धन ३ ॥ खूसि सवा दणादि ग्व ३ इइ, चिकी रुति नयाडा दाय के, कपा

सुप्रभातद्वयवि

अरुमाद, नृपकसत्र, थयानामसतत्रक, भिकिवक विद्या ॥ नी ॥
ॐ कामदव लावाव ॥ ॐ ह्रीवख दिशना ॥ गो २ गवात्र, गो २ हामत्र, गो
२ हिंदुवृधेल, गो १ लवाति, गो २ कसि, थालसुइकुड १ सुडा
व, थनरांगनगोन, ॐ ह्रीमन्द (म), दनकेशना, महावलवक
रुना ॥ काममदयादयके ॥ ॥ सत्रयाखि, थनयाखि, धूयाधि, थ
खताकक ८ सुदथदाडा, धूपकचके, तिकनावयनाभा ॥ ७ ॥
ॐ सुप्रभादकानमः ॥ ॐ यहावक्त्रकानिकादवी ॐ हन २ पत्र

गो २

२ खख २ सर्वशफु पत्ररय, सर्वरयसर्वरथभागजिज्ञादा ॥ भात्र २ ॥
कुरुलसीगो २ रुयलपाडा, भफु निनद ४ खवित्र, कयक, डाकृशफु
याकेयाकठथयूवकुला ॥ ॥ ॐ सुप्रभाद ॥ भात्र २ ॥ थऊयलप
गोनके, थनकोठयागानक ॥ थ का ॥ जिलखान, नका, खखदं, आनि
सलपनयार्द, पूनखनक न्यायायक, खलनयाथंनयजिडाख ॥ ॥
कोसरायापा, कापू, रुकखान, दूरीखनी, रुयकन, रुदायाय, विष
वि, सिवनाखान, हिंदु मत्रव, लहा, ॐ मापा, रुदूयाया, कोषः

नयका
वभा

मी ५१

याया, थप्रामात्रमात्रयास, थभधूपकचक, कायवावयाजादख॥ ५१ ॥
(म)मात्रपू, कलिस्नानयापू, अरिजयाहा, थति समसागनसाथसी, सा
दूरसुतसंगान, थननलिंगेडहेशजा, गच्छिन्मिसोव रुन्दायागसा
रुयू॥ ५॥ मित्रिकदूधलयापू, ऊपावलखसुधायाव, थमनिय
भवनमखद, किनसंमिकिचकविद्या॥ अथवा, वडात्रहल, कायतः
टीयाहि, सोविजाऊन, थनं समसागयाद, ऊपलपानेय, मरु॥ ५॥
सिद्धिगुनआहा॥ ५॥ खडखड, विषभविमल, विलम्ब, वचर्वन, चन्द

उव

मवा १२ विवाया

वत्रत्यदिकिवधनाय साहा॥ धात्र ५५ ॥ मित्रिकविद्या॥ ५५ ॥ ३३५॥
गुनआहा॥ ५॥ अमनयअमनसंमृवायमा मुपिरुं कुर्यकुर्यक लिदंरु
टु साहा॥ धात्र १॥ यया, कस, साखत्र, थसुतानसंऊपाडानय, अम
त्रपिरुन, नूयउदियीवनाभा॥ ॥ विपखयत्र, पिथहा, नूडाकः
वकसिपू, थनपालयसं काषायक, तडा कच्छिनदायमरु॥ ५५॥ ५॥ नम
४कूमासाय॥ सर्वअरु सर्वकारनाभयसाहा॥ धात्र २॥ नरुयीहा, ऊपा
डा, कूयत्रकानयसं, काषायकमायाभा, अधिनवावया॥ ॥ ५॥ ५॥

स

[illegible]

श्री सा

कनऊप्रजयावतजक वृयक पीथवीलाहानिन थिककंदव मि
साथववस्ययाय पद्मनह्नासियद् निष्ठयस्वा ॥ **वस** ॥ जिप्रिस्तानज
को थननासमराग साखदंजानिसत्रयनयादे कित्संतागयायह
पुत्रपवस्ययाय ॥ **वस** ॥ उगजाभिनाथाय नमःस्तुतौ ॥ नमोवादिनात्र
सिद्ध ॥ माह रुनमनु पिथकालरुत्रव दष्टिमुष्टिनिष्ठकिपात पूजारेवविना
कनाथ दंकिहीसं किदिगुतपुततवनासि मंत्रितकिगुत्रकिभकि रुनामनु
ॐ नमोवावा ॥ रत्रवयाकवव गुतनयूनमरु मंत्रयूदत्रायशत्रसा थमनुयत्र

मनुन, ठानक, ऊपनपाडा, दूयिचिकनसतयावहाय, समसकककूदवा ॥ ७ ॥
 थमनुन, चियखय, पिथयादा, नूडाक्यासि, वकसिप, थनयात्रचिसीकासा
 यक, तवककूनदायमरू ॥ ॥ गुनगुन ॥ ॐ कौं कौं दूँ कौं दूँ नवसिदनाथ
 हिदवतात्रहानयदंरुदखादा ॥ थमनुन ॥ ७ ॥ ॥ वाकूकागऊपाव, घानस
 तय, दिधप्रचिय ॥ ७ ॥ ॥ ॐ नमाआदिसुनकै ॥ कामनूकामरूदवीकिवाच
 रुन, असमाआगिनीकिवाचारुन, असपुनपदेसकूचन, वाचिनमूखावा
 गनखाथकासा, पानदाचिनघा, असपुनपवनमदिअन, वनछादिअवन

जाहचिनसा, माचिमाचिराशमचिरगतिगुनकिसगति, रुनामूदूधन
 वाचा ॥ ७ ॥ ॥ यडापथ, सिचूका, मनुयाय, यकूनसैचूय, सिदथूधखाय ॥
 वस, कंवा, सिविस, खूयमरूयकै, जानकाडागय ॥ ॥ जानकाडागयायु
 चि, सिकायमनुथ ॥ ॐ नमाआदिसुनकै ॥ अवनधुथवनधु, वधुनवनवा
 धायिमागिकिसुनयावाहाकियना, तापनचिवेथगुनगुन, अवनधुआजा, अचि
 रगतिगुनकिसगति, रुनमनुदूधनवाचा ॥ ७ ॥ ॥ थमनुन, याननखा
 नपूय, जानकायुचिताचिव ॥ ॥

止五止上止上止上止上止上止上

[illegible]



धक मीया पूग पूग इर मीया पूग ग इर व॥	भूवमानध क मीया पू ग इर व॥	धक मीया या पूग जाय नय नय नय नय नय नय नय	नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन	नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन	नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन नय सिधुन
धक मीया पू ग पूग इर मीया पूग ग इर व॥	आदि मीया ग र स कायः आच वाट या विवा न॥	धक मीया पूग जा न इर वः निरय न॥	नय नयि मा वा वर व॥	साम मीया सिधु न मा वा वर वा वर व॥	मामनक इका सिधा विल र इर व॥
धक मीया पूग वर व॥	धक मीया पूग पा फ र यव सैसय न मा न॥	धक मीया पूग पा वर र सैसय न मा न॥	डिम स क न म न मा वा वर व॥	सिधुन का य मा वा वर व॥	नय नय वर ग र क र स विल का र न वर व॥
पूग शर व॥	धक मीया पूग पा वर वा वर व॥	धक मीया पूग पा वर वा वर व॥	जव स न मा वा वर व॥	पूग दय व॥	मा वा मद का दय व॥
नय नयि पूग जाय नय व॥	जग विद भ ग वा द मीया मा वा वर वा वर	सि क मा वा वर व॥	या थ या द न मा वा द या म मद॥	वद व थ मीया मा वा द या मद वा वर	गा व ल स मा वा द या मद॥
विल र न मा वा वर व॥	पूग जाय नयि व॥	पूग जाय नयि व॥	काय दय व ज न ग र नय नय नय नय	मा वा मद न॥	पूग दय ज न ज न मा वा द न ल॥ काय द या व॥

भावाद् पूयवः पाफश याव॥	भावाद् पूयवः पाफश याव॥	कायभावा दयाव वास यादान मावाद्यु व॥	सती दाषन लेयादा षनखात्र	पतमा यादाषन खात्र॥	प्रदून वध यादाष नखात्र
भावाद् दयाव॥	पूयवः पाफश याव॥	कायभावा दयाव वास यादान मावाद्यु व॥	सती दाषन लेयादा षनखात्र	पतमा यादाषन खात्र॥	प्रदून वध यादाष नखात्र
महाजग नमान भावा मदु वेलस	विलेन कायः वदय॥	अदिकपू विलेन दयव॥	दवयादि दियादा षनखात्र	जुकस्मा नमाउसा कावखात्र	पीतधनु रुग यादाष नखात्र

त्राजिमा महा ससय नमायव	वालुग्रहया दाषन मष गु.ग्रहसानि	विलेजि नकु शयो याव॥	सिधुना सर्व विधुश व	सिधुतीसि द्विशयीव	विवादान शाशय रुग शयव
तडाकष नमायव ससयमेमा व॥	मानि वायव सियावा यात्राखय॥	भूनकजगन यादान षनयाडा याव॥	निष्ठयन सिद्धिशय व॥	विवादान शाशय रुग शयव	विवादान शाशय रुग शयव
जलयादा नमाय व॥	महादि पू.ननान सियाव॥	भूनकडया भूतिशयादान कषया सियाव॥	जियावम पू.ध काया सुन मया	स्वापूशका शया ननानसि धयडा॥	ताकालन नना सिधय यव॥

माहासु तिद्वितीय महिद्वि शयूव	भूतिस्वरजा दयिमष मधु	धनध मदयु मधु	पत्रमसु धनेविदय सुखन वानिव	महाजन नदश्याव	सुखिद्वि दयिमष मधु
विवाहाया दानकना विधवाश व	कुरु रात्रपाक विवाहानया नशरश्यावा सय	विवाहाया नतिसु खदयाव	महासुख वानिवता कार्ल	जल्विदि वसुपदान ददानशुत धुतसय	रतिमागुरु तनायाव
पुनूषसि याव सुष सिय दयाव	विवाहाया दानयुग दयाव	कत्रहदा मधुविदशय मरुलव लायाव	मधुम रुलना युव व	कायभावा यातिनाम षू	वसुकदा भूया नियय व

कानना नवात शयूवम क	काननयव महासुखन नवातशयूव	कानना कानना मिन्न थोनीव	वि शयूव सिद्धिदय	विद्यासुहा नविद्यास याडा	महाविद्या दिनेन्द याव कमद याव
काननयव पयाकाने याफिशयूव	जाडा थवकानना तावदकयाथ वकाननवान दयानासय	काननायव मधुताकार भवयावका वानमानाव	विद्यासुहा अदिकविद्या सयाडा	पुनर्व विद्यासुहा सयकदयुना मरुयीनास य	विद्यासुहा काननिन युवगुरयादा खेनमुखशयू
रतिविले निथकान नयाफि शयूवम	काननयव दविनथि नयाफिशयू व	काननायव काननानरु नवायूव तश्याव	कविकशय विद्यान दिसय मधु	विद्यासुहा कविकशया वअनकवि यासयाव	संपूर्णविद्या तवसयाव कविसया नविद्या सयाव

वसुकथा वसु फिजारा कन्या रूपा वसु मया	तदगुत्रिव मुकथवन या फिशरुव	वसुकता कालन वसु नाय याज्ञान व नाय मय	वसुत्रयम वसु भुता खन जवसु मिये ने नूव नक नाय ड	कलेयाय रु ने सा लिलाय डा ॥	तायालय नामने वसु भा नायाव मय ॥
तदगुत्रिवसु लखसवान ननानलया व ॥	पुषा तदगुत्रिवसु थडात दयाव नामदया नाख या ॥	वसुकलय डामय ना नय ना	व्यायदवसु यथ इत्या नसां नया ड मय ॥	जुष्ट खने वडा वसु कने नामन नाखय ॥	खमयका वसुकय थ इत्या कान मय
जुष्टकमया ना नय रु मनय वसु रु ना को न	तदगुत्रिवसु क लिलाया डामय ॥	वसुकक वसु दाविन लिला निना यव भुत य	वसुकसाय खन दय वि मखय नन व	वसुयदव सुक रव दयावमय	विपतसद ता नन पाल नाय यनमन

मसि मनडाव याक धनम धनयना यनी ॥ वसुक विम ना ॥	भावसुकथ वनयन इत याकाने नयके लिला डायव	तायालय नामने लिप ना तस यव	निरुलरु ताका यो ड लनगुनि रुल नायव	मवायाका सन नूतिदू रुल रुलयाव	मवायाका नरुल थव नाय रुयाव
तायालय धन खडा मय संदह ममाल	मद्य खमयदवसुक थडान धन नाय नन धन नाखय	वसुकगाया लयना या फिशया व मय	मवायाकान जाले ममा रुल लायाव	पूर्वका नयगा मया के सिवायाका नरुल नाय मनाय नाखय	मवायाका नरुल ना यावमय
थडा लान धन भव धन धन मय ना मन ना	खनखया ड यना मन ना	ममया थव नय दित थव हि धन धन जलया ना	मवायाकान सादल मवा भुत याकान नाकालन रुल नायव	मवायाकान सुखदय वमय	जाले तमा गु सुख रुमि रुय नात रुय दयि ड

स्तिननत्रा माता नाडा लस्तिन शयूडा	राजानजागि लवियागुवि स्तिनशयूडा मेषू	मदस्तिन शयूव नशयू डाशाना व	राजायाका राजा सिद्धिथव याकासि तलति दयवथव तशकारय	राजायाकासि द्विशयूथडा तयाफिशव	सिद्धिशयू वमयुस्तिन वमयु नसिद्धि शयू
राजानजागि नवियागुवि ताकलंशानि व॥	विष्णव राजायाकजा गिकायागुवि स्तिनशयूनास य॥	राजानविया जागिनरा नास्तिनन वानिवमेषू	राजायाकासि द्विशयूवकला नतयाडा	मूननार राजायाका सिधयूनाम सिधयूनासय	राजायाका यविलंशन सिधयूडा
दक्षिपूरा शानिव धिनं शानिव मेषू॥	जागिनशानि डामेषू कदा विशानसांड क्षयसियमात्रि जाफिमद॥	कदाचित मानवानसां दयूतागुला कालशा निडा॥	राजायाका अनकसि सिध द्विशयूनीद वतसेवा यमन	राजायाकार्य विलमनसि द्विशयूडा॥	जिरानधि सिद्धिसिद्धिश शयूमेषू याव दक्षवशयू
राजातमवा राजा तमवा तमवा वमहालय	थवडयत्रस राजातमवा गुवि तमजदि मदशा दुयाया	राजदतसी तडाथदरायम मेषू नकाठ मद	भक्तनागड भक्त यथवतरे स्तिनन यदया शानिडा	नमानंभक्त दूयाडा	भक्त जुवसि भक्त दूय नेना मिजशयूव
राजातमवाव नभवयासि वायायमालि डा॥	थवडयत्रसरा जातमवाडागु वि काठभा किशयूस्वय	राजातवाव धनहानि याफिहानि	भक्तदूयाडा मडाभन	मून थवभक्तदू यावामदूया वासय॥	भक्तविदू याडामेषू थडातुरये दयाडा॥
तमवालसां रायमदू डिडा रायम सपिज माल शयूडा	राजातमवा वसां रायदय वमेषू दूया याथकसनन शानिडा	तमवावसां तवराजाया वागनगन नराय सदय दयावम मेषू कशयूव	भक्तदूयमेषू रायदयमेषू भक्त वि याति लमेषू	भक्तदडाडा थशनउम मवाडाडा कनायायाव	भक्तनना भक्त भक्तनाडा मदानशयूव शयूडा

राजदयाव राजा डयाव नवाने मर कदव मर यदयाडा	राजानवान कबदवधु कलानशरा डा॥	वानकदव वनमभ वान तडाध केदव राय मरुस खइवस	विलमन नना पिकाय नपिका व यडामर	कूडाडातडा कननानेपि कायिडा	दचिनधि पिकाय पिका डा यडाम पूनि॥
राजानवानक दव कुतयम दू कार्यदया वधान॥	पुष्पाखड राजानवानक दवया पुता धरखय ॥	वृद्धिमानश यव सेंदह ममाल॥	कूडाडातडा ककसकूनधि पिकायाडा	डगाभाठ कूडाडातडा कननानेपिका यानखय ॥	पिकायडामर सायधकेराय नत्रोमिशया डामरुशय
मान्यद याडा सुख रुपीव धनेरुयव	राजायाका याकेतन ध धशकाशयव	धननार राय दयाडा दयाडा मर	विलमन पिकाय नद डा नोकु डानयव	विलमनपि कायडा जून कधन वम दूक मात्रे व	दचिदयान मरु पुनिपिका शयडा याडा॥ दानपुन याकाननय
राजायाकसि राजा वामद का यामदा जियाक याकान के रात लानशयव	राजायाकसि वायाकानरति माण नारद याव॥	मरुयकूया कानसि दवा द्विदय कानि डा शयडा	राजयाग ताका प्रसिद्धि लनरुल प्राति लायडा मरु धामरुल॥	मननरात्रपा पुत्रिननाने सिद्धिशयडा	ननान सिद्धि विल द्विशयव
राजायाकसि वायाकान द चिनधि नार	अवध राजाकाजिया कसिवायाका न नारदयात्रा खय॥	राजायाकभ वा मरुयाका लनरुलसा यडा	मननरात्रपा पुत्रिकानना नसिद्धिशया डा	अशिवि मननरात्रपा कायसिधय नामसिधयून खय	मननरात्र पाकानना नसिद्धिशय डा
राजायाभवा यामर मेरा मरुनना यविमि द्विशयव	राजायाकसि वायाकानकूरु लमद॥	अनसालध सम हलसा ससिद्धियव शयडा	मधमरु ललाय सिद्धि डा शयम पू॥	मननरात्र पापुत्रिसि द्विशयाडा धर	आसिद्धिश रात्रयवमरु पापुत्रिकात्र नसिद्धि॥

पत्रिवात्रपनि मनयादृश्व सूख नवाभा नवानि डा	विदहाधवा पत्रिवात्रपनि दृतिरुत. ५४ खसियाधाने चितीयायमते	विदहाधवा पत्रिवात्रपनि खःवा मि थाने॥	पूजववन मनु यादान ऊह्या सिद्धि दान. तनु कदात्रथदृष	मनु. यरुजावम नायादान. धर्म भाऊ. कामअर्थ यारदयाव॥	हलनाय डीमष सिद्धि शयूव
विदहाधवा पत्रिवात्र. तडा धददृश्वनम दावचोन	धनय विदहाधवा पत्रिवात्र. सुष नादृश्वनास्व	क्रपाया. था विवादावन वादमष	मनुयरुआन मृयादान. शु रहललायूव	ठातशिष मनु कायान. य रूयादान. शु धुरशयूनाखर	मनुयरुआन मृयादान. वि लेमनसिद्धि शयूव
सूषनवा नी॥ मत्र नेरयू डा॥	विदहाधवा पत्रिवात्र पनिसूषन शाना	महाडत्यात कष. इयाडा दृश्व. वा. ना सियाडा थाना	मनुयरु वमुक लानि मथम रुललायू वा॥	मनुयरुआन मृयादान. य थयावारामद	मनुयरु. सि मनु द्विशयडा यरु. मे धवताया सासिद्धि
थागिया ननाने नाशना सुवानधि देयाडा॥	थागिउत यादानम्याया थ॥	ननान दयू थ गिया नाग	मनयनज थागु दावन थागिउरा चिताममत्र	देवयादावन थागिशुनः दा नडापूजा॥	वायियावि कावन थाग थागिशुन
थागिया गक्याडा मष म. ए. शयाव	पुर्वरुड थागिशुडा सियिमायूव खय॥	थागिसि यिडा. कोस शकावनकः थागिशयाव	थागियाम पूजाडावन युदाडादत्रडा था	उगुरुड थागिया कूदावनशुन खय॥	पातवलनाक मनयनज वालयादनवा गिशुववून
गहसानिया दान. ल किथि नाय ननाने वाडा॥	थागिया नागविलक नक्याव	थागिया नागवेदयावा दयूव सवन मषम. दयू शयूव	सवीत्रया नथागिशु व. चिका मूमा न. म. ग. शयूव	भानित्रया नथागिशु चिकाममाल	चितनथागि शुनः नना थागि दयूव देवनय दावम चिन॥

~~गायनवाङ्मय
गायनवाङ्मय
नवाङ्मय
वाङ्मय
कस्यवाङ्मय~~

तायूनवाढम्
नागि म्वायूअ
मयू॥

गायत्री नमो
 ब्राह्मि सुषोमि
 दयते यते मय
 सियते मय

~~आद्यादा
आ नमथम
आद्याद रुले
निरुलशयूय~~

प्राजायादा
न. ब्रूककि
सिवासिवा
दयडा

पञ्चाङ्ग
 शकलि विप
 निक्षि तिश्य
 शकलि पविमम

गायानशास्त्र
नि. कूसत्रशुद्ध
महादूश्वसि
याडाशान

वदन्ति
तामीन आह वा
मीकमवशतः
नामवशतः
य॥

नाथानाद
नानागिरा
धंधकायम
मात्रेण ॥

श्रीगणेशाय नमः
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वेङ्कट
श्री कृष्णदा
नारदया ना
मदयी नास्त्र

द्वाङ्गायादा
 न. सियमात्रि
 वनिसुलद
 ४२वसियाव

माया नचाक
त्राजिया मह
डिडाम संसय
दगा नचाका
डाथान

गायान शोध
प्रायोगिक
पश्याडा शोध

कसत्रमशु
नित्रा वाजितु
नैधित्रा नि
निडा

प्राज्ञाया
 नमः (धर्म) कि
 रुलना वासि
 यूव यूव पाकि

नमो भगवते वासुदेवाय

अने अदि
नाम के दया
नदा वि 'डा
उ शयू व

महापति
रान्द्रयूथ
प्राक्
पितिशय
मयू॥

प्रितियायताव
याद्वव. प्रितिर
यमष. अथवा
वसा. इतकिव

~~नतानं पि
तिसमि जल
रुप न पि
डा तिरुपू~~

मूलं धिक्कय
जुलै रुय भता
धिक्कय सेमस
रुय रुय दाति

याज्ञसमस्त
धिकतरुय
वलिखामद

अर्त्तगुण
लानि सदा
दनि दयित
कादय निरु

प्रितियायद्
प्रितिशूव

इष्ट
पितृयाय नमः
तिश्याय नमः
याय नमः ॥

पितृयाय
व. विल्लन
पितृयासु
शुभ

ग्राह्यसमूह
 कवश्याव
 निडा, विपत्त
 दनिडा

आविष्टि
नार्कसमूलनिधि
कचशयनाम
शयुधनोत्तर

अन्नदानिव
 समस्तलोक
 या आनन्द
 इया ३५

दूषामशूय
 व. प्रियत दाना
 मशूय नधि
 व याव पितिश

प्रितियायक
उत्तनप्रिति
शुषोऽ

पितिभुमनं
न वि.थवृ
पाया काति
थ पिति स्वय
रुग

~~मूलधिक
चरया
थानि
मदम~~

रुद्धि मूलं
कच श्याव
संदह ममा
ल

मूल अधिक
मूल वरुण गु
धिक लो न शि
घा दौ घा द नि
म रा र रा र

वत नारदया वमष न. मूलस धनयूव	वानिअयादा न. रतिमा नारदयाडा	वानिअन रतिमा न. मूलस धनयूव	धनडयति शयवेम न. मूलस धनयूव	दात्रिडक यात. धनड न. मूलस धनयूव	दात्रिडक धनडय न. मूलस धनयूव
वानिअयादा न. दूगनवि नारदयाडा	धनडय वानिअयादा न. नारदय न. मूलस धनयूव	वानिअन पत्रिसमया दान. नार दय. वनद	दात्रिडकन वाकत्रिसवा यादान. धन नारदयाव	राडयद दात्रिडकन न. धनयाफि शयिना. म योवास्वरा	धनदयाव मष. हा हाक न. धनतुर योडाइवसा
वानिअया दान. न. म नारदय व. धनयूव	वानिअयादा न. स्वद नार दयाव	रतिमा न. नारद दान. यीव	धनदया वमष न. धनयूव	दात्रिडक यात. धनन न. मूलस निकायोद	वानिअया धन. मूलस न. धनयूव
वसुकखलि न. मूलस न. मूलस न. मूलस	धनडय न. मूलस न. मूलस	वसुकखलि न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस
वसुकखलि न. मूलस न. मूलस	धनडय न. मूलस न. मूलस	वसुकखलि न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस
नारदयडा न. मूलस न. मूलस	वसुकखलि न. मूलस न. मूलस	वसुकखलि न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस	न. मूलस न. मूलस न. मूलस

धनिताकालं धनि पुनियूल कुरन योडा॥ पुनियूल रुयीडा॥	दामत्यादावत याधनि. पूल रुयीडा॥	धधनिः मसिमपु लेरुयु मेषु डा॥	धकुनावल दाने. धकु रुयवम मेषु. धमड को रुयवः	धकुत्रिवला दाने. धकु रुयीव॥	धकुनाव लादाने. धकु धमडन. धकु रुयीव॥
दामत्यादातया धनि. ननापूल रुयीडा॥	मार्तधित्र दामत्यादावत याधनि. पूल रुयीडा॥	त्यादावतया धनि. धममा तलनपूल रुयीव॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥
धतिपूल यावमेषु धनि पूल याडा म पु॥	त्यादावतया धनि. धममा तलनपूल रुयीव॥	धधनिपूल धनि. धममा तलनपूल रुयीव॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥
तव वाकभूदि धदक. धाराव धनतुनि दामनयक	दामत्यायवि यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	दामत्याय विद्यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥
दामत्यायवि यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	दामत्यायवि यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	दामत्यायवि यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥
विद्यान. ध यासुख निपत धव डा॥	दामत्यायवि यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	दामत्यायवि यान. धममा तलनपूल रुयीव॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥	धकुत्रिवला दाने. धवतज रुयीव. मान समसं सिद्धि॥

कामनातिथि काम स. कामना नातिथि याकात्रा स. कार्यसि यव द्विशयव॥	कामनातिथि स. कामनाति द्विशयी आ॥	कामनातिथि सिद्धि संय दामय भूति यति द्वि. नाय व॥	नना नया निवि यरुयाव धूरुयव॥	तिथि जाणाडा नंदयवम म. तिथि सवा नंदयमम व॥	ननाने दवि सिद्धि नथि द्विशयव॥
कामनातिथि मननरात्रप कादयाव॥	कामनातिथि व. वदातिथि स. सिद्धि रुय मंशय वि॥	कामनातिथि स. कामनाति द्विशयमम रुशयव॥	तिथि जाणा सा नाने पिडा नंदयुडा॥	अतिपेदा तिथि जाणाडा नंदयुनाम रुयनामय	तिथि जाणा कालनसिद्धि शयाडा॥
कामनातिथि कामनासि द्विनाय मम	कामनातिथि स. कामनासि द्विमशव नसं दुरुशय रुयव॥	संय. रू. सि काल द्विशय नसिद्धि रुयव॥	नवधदवि धूरुया नना नसि द्विशयव॥	तिथि जाणा ननाने याय रुयमम लेयोचाने म	सुखननेसि मरु द्विशयव यवक कवि वि लेनसिद्धि॥
निविद्युश राति यडा॥ विद्युशय त्रिपतसुखा॥	तिथि जाणाडा नेसं. निविद्यु याद सिद्धि यडा	विलेकन सिद्धि शयव मम रुयव॥	जाणाताका जाणा ननशय सिद्धि डा यमम रुयव॥	नाजायाजा जाननानेसि धुनशयाडा	रतिविल मनसि धय मम सिद्धि विनेत॥
तिथि जाणास नडाधद विद्यु शयडा. म. रुश यडा॥	द्वितीया तिथि जाणास विद्युशय ना मंशय नासय	तिथि जाणा अनसं ना यान॥	नाजायाजाणा स. मननरात्र पाय त्रिसिद्धि शयडा॥	रुतिया नाजानममन रात्रपाथस जाणायाय मनासय॥	नाजायाजा जाअनेगति लेकशयाव
तिथि जाणास मदुखद यडा॥	तिथि जाणास नडाधद वि धूरुयाडा. ध नंदयाव॥	निविद्युसि धन द्विशयव रुयव मम धमद विपास सियिडा नय	जाणासिध शयाडा मम यडा॥	नाजायाजा याननानेसि द्विशयाडा	नाकालन जाणा सिद्धि सिद्धि रुयि यमम॥